बाबा मुक्तानन्द की पुस्तक
'ध्यान-सोपान' से सिखावनियाँ

इस बोध के साथ ध्यान करो कि तुम मन के साक्षी हो।

~ स्वामी मुक्तानन्द

© २०२२ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।

स्वामी मुक्तानन्द, *ध्यान-सोपान : अन्तर-आनन्द की ओर,* [चित्शक्ति पब्लिकेशन्स, २०१२], पृ. ३६।